

**नाभि-पाक** पुं. (तत्.) एक रोग जिसमें बच्चों की नाभि पक जाती है।

**नाभिल** वि. (तत्.) 1. नाभि से युक्त, नाभिवाला 2. उभरी हुई नाभिवाला (प्राणी) 3. नाभि संबंधी, नाभि का।

**नाभिवर्धन** पुं. (तत्.) 1. नाल बढ़ाने अर्थात् काटने की क्रिया।

**नाभिवर्ष** पुं. (तत्.) जंबूद्वीप के नौ वर्षों में से एक।

**नाभि संबंध** पुं. (तत्.) एक ही गोत्र से अथवा उदर से उत्पन्न होने का नाता।

**नाभी** स्त्री. (तत्.) दे. नाभि।

**नाभीय** वि. (तत्.) नाभि संबंधी, नाभि का।

**नाभील** पुं. (तत्.) 1. नाभि का गड्ढा 2. नाभि और जंघा के बीच का स्थान (स्त्रियों का) 3. कष्ट 4. उभरी हुई नाभि।

**नामंजूर** वि. (फा.+अर.) 1. अस्वीकृत 2. निरस्त, रद्द, खारिज।

**नामंजूरी** स्त्री. (फा.+अर.) 1. अस्वीकृति 2. खारिज होना, निरस्त होना/करना।

**नाम** पुं. (तत्.) 1. वह शब्द जिससे किसी व्यक्ति, वस्तु या समूह का बोध हो 2. बाचक शब्द, संज्ञा शब्द (फा.) 1. प्रसिद्धि, धाक 2. इज्जत 3. कुल 4. यादगार 5. लाल्छन।

**नाम अध्ययन** पुं. (तत्.) व्यक्तिनामों का ऐतिहासिक इत्यादि दृष्टियों से अध्ययन।

**नाम आवर** वि. (फा.) 1. प्रसिद्ध, मशहूर 2. यशस्वी।

**नाम आवरी** स्त्री. (फा.) यश, प्रसिद्धि।

**नामक** वि. (तत्.) नाम का, नाम वाला।

**नामकरण** पुं. (तत्.) 1. नाम रखने का संस्कार विशेष, जिसमें विधिवत् बच्चे का नाम रखा जाता है 2. किसी का नाम रखने या किसी को नाम देने की क्रिया या भाव जैसे- इस नाटक का नामकरण नायक के नाम पर किया गया है।

**नामकर्म** पुं. (तत्.) नामकरण संस्कार।

**नामकीर्तन** पुं. (तत्.) गाने-बजाने के साथ ईश्वर का नाम जपना।

**नामकोश** पुं. (तत्.) नाम वाचक संज्ञाओं का शब्दकोश।  
nomenclature

**नामग्राम** पुं. (तत्.) नाम और ठिकाना।

**नामचढ़ाई** स्त्री. (तत्.+तद्.) वह क्रिया जिसमें सरकारी कागज पत्रों आदि पर संपत्ति आदि के स्वामित्व पर से एक व्यक्ति का नाम हटाकर दूसरे का नाम चढ़ाया जाता है। mutation

**नामचार** पुं. (तत्.) नाममात्र उदा. नामचार के लिए उनके घर जाना ही पड़ेगा।

**नामज़द** वि. (फा.) 1. किसी काम या चुनाव के लिए मनोनीत, नामांकित, नाम निर्दिष्ट 2. प्रसिद्ध 3. बालिका जिसकी सगाई हो चुकी हो।

**नामज़दगी** स्त्री. (फा.) 1. मनोनयन, नामज़द करना 2. नामांकित।

**नामतः** अव्य. (तत्.) नाम से, नाम के द्वारा।

**नामदार** वि. (फा.) 1. प्रसिद्ध, मशहूर 2. प्रतिष्ठित, इज्जतदार, ख्यातिप्राप्त 3. यशस्वी।

**नामदेव** पुं. (तत्.) महाराष्ट्र के एक प्रसिद्ध कृष्ण उपासक, वैष्णव भक्त कवि।

**नामद्वादशी** स्त्री. (तत्.) अगहन सुदी तीज को होने वाला एक व्रत, जिसमें गौरी, काली आदि बारह देवियों की पूजा होती है।

**नामधन** पुं. (तत्.) एक प्रकार का संकर राग जो मल्लार, शंकराभरण, बिलावल, सूदे और केदारे के योग से बना हो।

**नामधरता** पुं. (तत्.+तद्.) 1. नामकरण करने वाला।

**नामधराई** स्त्री. (तत्.+तद्.) 1. अपयश, बदनामी 2. (किसी व्यक्ति का) चिढ़ाने का नाम या अन्य नाम रखने की क्रिया या भाव।

**नामधातु** स्त्री. (तत्.) किसी संज्ञा शब्द से बनने वाली धातु।